परमपूज्य श्री गणपति सच्चिदानन्द स्वामीजी द्वारा संकल्पित विश्वशांति महायज्ञ

130 करोड हनुमान चालीसा पाठ

अवधूत दत्त पीठ, श्री गणपति सच्चिदानन्द आश्रम, मैसूर - फोन ०८२१ २४८६४८६

श्री हनुमान चालीसा

श्री गुरुचरण सरोज रज
निजमन मुकुर सुधारि
वरनउँ रघुवर विमल यश
जो दायक फल चारि

बुद्धिहीन तनु जानिके
सुमिरौ पवनकुमार
बल बुधि विद्या देहु मोहि
हरहु कलेश विकार

१. जय हनुमान ज्ञान गुण सागर
जय कपीश तिहुँ लोक उजागर
२. रामदूत अतुलित बलधामा
अंजनिपुत्र पवनसुत नामा
३. महावीर विक्रम बजरंगी
कुमति निवार सुमति के संगी
४. कंचन वरण विराज सुवेशा
कानन कुंडल कुंचित केशा
५. हाथ वज्र अरु ध्वजा विराजै
काँधे मूँज जनेऊ साजै
६. शंकर सुवन केसरी नन्दन
तेजप्रताप महाजगवन्दन
७. विद्यावान गुणी अति चातुर
राम काज करिवे को आतुर
८. प्रभु चरित्र सुनिवे को रसिया
राम लखन सीता मन बसिया
९. सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा
विकट रूप धरि लंक जरावा
१०. भीम रूप धरि असुर संहारे
रामचंद्र के काज सँवारे
११. लाय सजीवन लखन जियाये
श्री रघुवीर हरषि उर लाये
१२. रघुपति कीन्ही बहुत बड़ायी
तुम मम प्रिय भरत हि सम भाई
१३. सहस वदन तुम्हरो यश गावै
अस कहि श्रीपति कंठ लगावै
१४. सनकादिक ब्रह्मादि मुनीशा
नारद शारद सहित अहीशा
१५. यम कुबेर दिगपाल जहाँ ते
कवि कोविद कहि सके कहाँ ते
१६. तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा
राम मिलाय राजपद दीन्हा
१७. तुम्हरो मन्त्र विभीषण माना
लंकेश्वर भए सब जग जाना
१८. युग सहस्त्र योजन पर भानू
लील्यो ताहि मधुर फल जानू
१९. प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं
जलधि लाँघि गये अचरज नाहीं
२०. दुर्गम काज जगत के जेते
सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते
२१. राम दुआरे तुम रखवारे
होत न आज्ञा बिनु पैसारे
२२. सब सुख लहै तुम्हारी शरना
तुम रक्षक काहू को डरना
२३. आपन तेज सम्हारो आपै
तीनों लोक हाँक ते काँपै
२४. भूत पिशाच निकट नहीं आवै
महावीर जब नाम सुनावै
२५. नासै रोग हरे सब पीरा
जपत निरंतर हनुमत वीरा
२६. संकट ते हनुमान छुड़ावै
मन क्रम वचन ध्यान जो लावै
२७. सब पर राम तपस्वी राजा
तिन के काज सकल तुम साजा
२८. और मनोरथ जो कोइ लावै
सोइ अमित जीवन फल पावै
२९. चारों युग परताप तुम्हारा
है परसिद्ध जगत उजियारा
३०. साधु संत के तुम रखवारे
असुर निकंदन राम दुलारे
३१. अष्टसिद्धि नौ निधि के दाता
असवर दीन्ह जानकी माता
३२. राम रसायन तुम्हरे पासा
सदा रहो रघुपति के दासा
३३. तुम्हरे भजन राम को पावै
जन्म जन्म के दुःख बिसरावै
३४. अंतकाल रघुवर पुर जाई
जहा जन्म हरिभक्त कहाई
३५. और देवता चित्त न धरई
हनुमत सेइ सर्वसुख करई
३६. संकट कटै मिटै सब पीरा
जो सुमिरै हनुमत बलवीरा
३७. जै जै जै हनुमान गोसाई
कृपा करो गुरुदेव की नाई
३८. यह शतवार पाठ कर जोई
छूटहि बंदि महासुख होई
३९. जो यह पढै हनुमान चालीसा
होय सिद्धि साखी गौरीसा
४०. तुलसीदास सदा हरिचेरा
कीजै नाथ हृदय महँ डेरा

दोहाः
पवनतनय संकट हरन
मंगल मूरति रूप
राम लखन सीता सहित
हृदय बसहु सुर भूप

अवधूत दत्त पीठाधीश जगद्गुरु परमपूज्य श्रीश्रीश्री गणपति सच्चिदानन्द स्वामीजी द्वारा विश्वशांति हेतु संकल्पित १३० करोड हनुमान चालीसा पारायण महायज्ञ में व्यक्तिगत रूप से अथवा अपने बंधुमित्रों के सहित सामूहिक रूप से भाग लें। आप की व्यक्तिगत अथवा सामूहिक पाठ की संख्या चालीस् बार से कम नहीं होनी चाहिये। पाठ करने के बाद १. भाग लेनेवाले भक्त अथवा भक्तों के नाम २. फोटो ३. भक्तों की संख्या ४. पाठ किया गया स्थल का नाम ५. दिनांक ६. पाठ की कुल संख्या का विवरण- sgshanumanchalisa@gmail.com पर ईमेल करें। आपके द्वारा भेजे गये विवरण को नवनिर्मत फेस बुक पता facebook.com/sgshanumanchalisa पर प्रचुरित किया जायेगा।

परमपूज्य श्री स्वामीजी द्वारा तेनाली, आंध्रप्रदेश में दिनांक ३१.०१.२०१५ को आयोजित
२ लाख से भी अधिक भक्तों के द्वारा सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ को गिन्निस विश्व रिकार्ड से सम्मानित किया गया।